GEOGRAPHY HONS. (PART-ONE)

(PHYSICAL GEOGRAPHY)

UNIT 01 > Topic: भूगोल "विषय के रूप में"

(INTRODUCTION CLASS)

→ भूगोल क्यों पढ़ना चाहिए?

भूगोल विविधता को समझने तथा समय व स्थान के सन्दर्भ में ऐसी विभिन्नताओं को उत्पन्न करने वाले कारकों की खोज करने की क्षमता प्रदान करता है।

→ भूगोल क्या है?

अत्यंत सरल शब्दों में, "भूगोल पृथ्वी का अध्ययन है"। विशेष अर्थ में, "भूगोल एक संश्लेषणात्मक विज्ञान है जो सभी प्राकृतिक एवम् सामाजिक विषयों से सूचनाधार प्राप्त कर उसका संश्लेषण करता है"। अतः भूगोल क्षेत्रीय-विभिन्नताओं तथा उनके कारकों का अध्ययन है। अतः यह किन्हीं दो या अधिक तत्वों के मध्य कार्यकरण सम्बंध को ज्ञात करता है, जो उस तत्व के पूर्वानुमान व भविष्य की व्याख्या करने की क्षमता बढ़ाता है। चूँकि भौतिक तथा मानवीय दोनों प्रकार के भौगोलिक तथ्य स्थैतिक नहीं, अपितु गत्यात्मक हैं। अतः भूगोल इनके अन्तर्प्रक्रिया के अध्ययन से सम्बंधित है। यह क्या, कहाँ और क्यों जैसे प्रश्नों से जुड़ा है अतः यह एक Interdisciplinary विषय है।

अतः एक संश्लेषणात्मक विषय के रूप में भूगोल दोनों- क्षेत्रीय तथा कालिक संश्लेषण का प्रयास करता है।

साथ ही भूगोल यथार्थता से जुड़े तथ्यों के साहचर्य को बोधगम्य बनाता है। भूगोल स्थानिक संदर्भ में भी यथार्थता ~~से जुड़े तथ्यों को~~ को समग्रता से समझने में सहायक होता है। अतः भूगोल न केवल एक स्थान से दूसरे स्थान में तथ्यों की भिन्नता पर ध्यान देता है, अपितु उन्हें समग्रता में समाकलित करता है। रिचर्ड हार्टशोर्न के अनुसार, "भूगोल का उद्देश्य धरातल की प्रादेशिक/क्षेत्रीय भिन्नता का वर्णन एवम् व्याख्या करना है"। जबकि अलफ्रेड हैटनर भूगोल को "धरातल के विभिन्न भागों में कारणात्मक रूप से सम्बंधित तथ्यों में भिन्नता" का अध्ययन बताते हैं। अतः स्पष्टतः प्रकट होता है कि भूगोल अध्ययन का एक Interdisciplinary (अंतर्विषयक) विषय है।

→ भौतिक भूगोल एवम् इसका महत्व

भौतिक भूगोल में भूमंडल, वायुमंडल, जलमंडल एवम् जैवमंडल का अध्ययन सम्मिलित है। मानव के लिए इनमें से प्रत्येक तत्व महत्वपूर्ण है। भू-आकृतियाँ आधार प्रस्तुत करती हैं जिसपर मानव क्रियाएँ सम्पन्न होती हैं।

भौतिक भूगोल प्राकृतिक संसाधनों के मूल्यांकन एवम् प्रबंधन से संबंधित विषय के रूप में विकसित हो रहा है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु भौतिक पर्यावरण एवम् मानव के मध्य सम्बंधों को समझना आवश्यक है। भौतिक पर्यावरण संसाधन प्रदान करता है एवम् मानव इन संसाधनों का उपयोग करते हुए अपना आर्थिक एवम् सांस्कृतिक विकास सुनिश्चित करता है। तकनीकी की सहायता से संसाधनों के बढ़ते उपयोग ने विश्व में पारिस्थितिक असंतुलन उत्पन्न कर दिया है। अतएव सतत् विकास के लिए भौतिक वातावरण का ज्ञान नितांत आवश्यक है जो भौतिक भूगोल के महत्व को रेखांकित करता है।